



हिंदी तथा संस्कृत वर्णमाला का उन्नीसवाँ व्यंजन और तवर्ग का चौथा वर्ण, व्याकरण तथा भाषाविज्ञान की दृष्टि से यह दंत्य, घोष, महाप्राण और स्पर्शी है।

धंका पुं. (देश.) आघात, चोट, धक्का।

धंगर पुं. (देश.) 1. चरवाहा 2. ग्वाला, अहीर (जातिसूचक)।

धंगा पुं. (देश.) 1. कीर्ति, यश 2. आघात, चोट 3. खाँसी।

धंदर पुं. (देश.) एक प्रकार का धारीदार मोटा कपड़ा।

धंध पुं. (देश.) 1. झंझट, बखेड़ा, झमेला 2. धुंध, कुहरा 3. धंधा 4. द्वंद्व 5. ज्वाला।

धंधक पुं. (देश.) 1. काम-धंधे का आडंबर, जंजाल, झंझट, बखेड़ा 2. एक प्रकार का ढोल।

धंधक धेरी पुं. (देश.) दे. धंधक धोरी।

धंधकधोरी पुं. (देश.) 1. काम-धंधे का बोझ लादे रहने वाला, हर घड़ी काम में जुता रहने वाला 2. दुनिया के बखेड़ों या जंजाल में फँसा रहने वाला व्यक्ति।

धंधा पुं. (तद्.) 1. जीविका के लिए उद्योग, काम-काज जैसे- वह वकालत का धंधा करता है, यौगिक-काम धंधा, गोरखधंधा 2. उद्यम, व्यवसाय, कारोबार, पेशा, रोजगार जैसे- (क) उसे किसी काम-धंधे में लगा दो (ख) आजकल कोई काम-धंधा नहीं है, खाली बैठे हैं टि. इस शब्द का प्रयोग लिखने-पढ़ने की भाषा में काम शब्द के साथ अधिक होता है 3. दूसरों का चौका-बरतन करने की नौकरी 4. अनैतिक कार्य उदा. वह औरत बुरा धंधा करती है।

धंधार पुं. (देश.) पत्थरों या लकड़ियों के उठाने के काम आने वाला लकड़ी का लंबा डंडा, औजार।

धंधारि स्त्री. (देश.) 1. धंधार 2. धंधारी 3. ज्वाला, लपट वि. एकाकी, अकेला, मानसिक संताप।

धंधारी स्त्री. (देश.) 1. गोरखपंथी साधुओं के हाथ में रहने वाला डंडा 2. अकेलापन, एकांत या सुनसान जगह 3. सन्नाटा, निस्तब्धता।

धंधाला स्त्री. (देश.) कुटनी, दूती।

धंधालू वि. (देश.) किसी काम अथवा धंधे में लगा रहने वाला पुं. काम-धंधे वाला व्यक्ति।

धंधु पुं. (देश.) उद्यम, काम।

धंस पुं. (देश.) ध्वंस, विनाश।

धँधका पुं. (देश.) स्त्री. दे. धंधक धंधकी।

धँधरक पुं. (देश.) काम-धंधे का आडंबर, जंजाल, बखेड़ा, बोझ।

धँधरकधोरी पुं. (देश.) काम-धंधे का बोझ लादे रहने वाला, हर घड़ी काम में जुता रहने वाला।

धँधला अ.क्रि. (देश.) 1. छल-कपटपूर्ण आचरण या व्यवहार करना 2. आडंबर करना, ढोंग करना, स्वांग करना 3. धाँधली करना 4. जल्दी मचाना पुं. 1. छल-कपटपूर्ण आचरण या व्यवहार 2. आडंबर, ढोंग 3. बहाना 4. धाँधली।

धँधार स्त्री. (देश.) दे. धंधार।

धँधेरा पुं. (देश.) राजपूतों की एक जाति।

धँधोर स्त्री. (देश.) 1. ज्वाला, आग की लपट 2. होली।

धँधौरा पुं. (देश.) 1. आग दहकने से धाँय-धाँय जैसी होने वाली ध्वनि 2. होलिका 3. ज्वाला, आग की लपट।

धँवना स.क्रि. (देश.) धौंकना उदा. विरहा पूत कोहार का धँवै हमारी देह -साखी।

धँवरख स्त्री. (देश.) पंडुक (एक प्रकार की चिड़िया)।

धँस पुं. (देश.) कीचड़, दलदल, जमीन आदि में प्रवेश, डुबकी, गोता।